www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

शनिवार
6 अगस्त 2022, गुरुग्राम, नगर संस्करण

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सुष्मिता सेन ने लिखा-मेरे पास एटीट्यूड है जो कमाल का है

'रेपो रेट बढ़ने से उद्योगों को घाटा'

रियल एस्टेट पर पड़ेगा असर : कुशाग्र अंसल

अंसल हाउसिंग के निदेशक कुशाग्र अंसल ने कहा कि रेपो दर में 50 बीपीएस की वृद्धि मुद्रास्फीति दरों को कम करने के लिए शीर्ष संस्थान द्वारा की गई एक और सुधारात्मक कार्रवाई है। प्रशंसनीय बात यह है कि उन्होंने किसी भी फिलप-फ्लॉप का सहारा नहीं लिया। रियल एस्टेट क्षेत्र पर इसका अस्पष्ट प्रभाव हो सकता है, लेकिन निश्चित रूप से ग्राहकों के विश्वास को प्रभावित नहीं करेगा।

गुरुग्राम, कार्यालय संवाददाता। आरबीआई की ओर से फिर रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि की गई है। इसको लेकर रियल एस्टेट पर असर पड़ेगा और साथ ही उद्योगों को झटके लगेंगे और काफी घाटा होगा। ब्याज दरों में वृद्धि से होने और ईएमआई चुकाने वालों को परेशानी बढ़ेगी।

स्पेज ग्रुप के डायरेक्टर भरत कुमार ने कहा कि महंगाई के हिसाब से मार्किट में आरबीआई की ओर से 50 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी की काफी उम्मीद थी। चिंता बढ़ी हुई लोन इंटरेस्ट रेट को लेकर थी। जिससे रियल एस्टेट के खरीदार प्रभावित हो रहे थे। लेकिन घोषणा ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है कि दरों में न्यूनतम वृद्धि होगी, बाजार को अपरिवर्तित रखते हुए, क्योंकि कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल दोनों प्रोजेक्ट्स की मांग हैं।

वहीं, रहेजा डेवलपर्स नयन रहेजा ने कहा कि देश की इकनोमिक हेल्थ को बहाल करने के लिए मजबूत संस्थागत कार्रवाई की जरूरत है। हालांकि यह शुरुआत में रियल एस्टेट मार्केट को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसका कोई स्थायी प्रभाव नहीं होगा।

360 रियल्टर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर अंकित कंसल ने कहा कि सामान्य तौर पर रेपो रेट में वृद्धि एक स्वागत योग्य कदम नहीं हो सकता है, क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर पुनर्जीवित मांग और कम होम लोन दरों की उम्मीद कर रहा था। इंटरनेशनल फाइनेंसियल मार्केट में भी फर्क दिखाई दे रहा है। अब इससे काफी कुछ बदल जाएगा।